राज्यपाल सचिवालय
राजभवन, राजस्थान, जयपुर

राज्यपाल श्री कल्याण सिंह की रामवती को शाबाशी

निरक्षरता का दंश मिटाने में कामयाब रामवती के प्रयास को सराहा श्री कल्याण सिंह ने

श्री कल्याण सिंह ने जयपुर राजभवन से भेजी 51 हजार रूपये की प्रोत्साहन धनराशि विधवा रसोइया रामवती को

जयपुर, 26 दिसम्बर। राजस्थान के राज्यपाल श्री कल्याण सिंह ने निरक्षरता का दंश मिटा रही रामवती के आत्मबल, महनत और दृढ़ इच्छा की सराहना की है। राज्यपाल ने बतौर सम्मान इक्यावन हजार रूपये की धनराशि राजस्थान के राजभवन से अलीगढ़ के काजिमाबाद गाँव में रामवती को भिजवाई है। राज्यपाल श्री सिंह ने रामवती को शाबाशी देते हुए कहा कि वह अपने पठन–पाठन के क्रम को निरन्तर जारी रखे।

उत्तरप्रदेश के समाचारपत्रों में राज्यपाल श्री सिंह ने समाचार पढ़ा कि अलीगढ़ जिले की अतरौली तहसील के गाँव काजिमाबाद के राजकीय प्राथमिक विद्यालय में बच्चों को मिड–डे मील बनाते–बनाते 56 वर्षीया रसोइया रामवती पढ़ाई भी कर रही है। आर्थिक तंगी के कारण कभी स्कूल का मुंह न देख पाने वाली रामवती बच्चों के साथ कक्षा में बैठकर पढ़ाई करने की अपने मन की हसरत को अब पूरी कर रही है।

राज्यपाल श्री कल्याण सिंह ने कहा है कि ***" श्रीमती रामवती का पढ़ने के प्रति जुनून और प्रयास प्रशंसा के योग्य है। विपरीत परिस्थितियों में जीवनयापन करने वाली रामवती का यह प्रयास निरक्षरता का दंश झेल रहे तमाम प्रौढ़ स्त्री–पुरूषों के लिए गंगौत्री सिद्व होगा। रामवती ने शिक्षित होकर समाज के सामने अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत किया है। "***

राज्यपाल श्री कल्याण सिंह ने अलीगढ़ जिले के काजिमाबाद गांव के राजकीय प्राथमिक विद्यालय में रसोइया रामवती को 24 दिसम्बर को उसके इस सराहनीय कार्य के लिए पत्र भी भेजा है। **श्री सिंह ने पत्र में कहा है कि** ***"आज मैंने समाचारपत्रों में एक सुखद समाचार पढ़ा है। छप्पन वर्ष की आयु मे आपने निरक्षरता का दंश मिटाकर स्वयं को शिक्षित कर समाज के सामने अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत किया है। आपके प्रयासों की मैं सराहना करता हूँ।"***

राज्यपाल श्री कल्याण सिंह ने पत्र में विश्वास जताया है कि ***"निरक्षरता का दंश झेल रहे तमाम प्रौढ़ स्त्री–पुरूषों के लिए श्रीमती रामवती का यह प्रयास प्रेरणा की गंगोत्री सिद्व होगा।'*** **राज्यपाल ने श्रीमती रामवती के प्रयास की सराहना करते हुए कहा है कि** ***"रामवती जी को इस संकल्प के लिए बधाई और इक्यावन हजार रूपये की प्रोत्साहन धनराशि साक्षरता के लिए समर्पित आपके सत्कार्य के लिए प्रेषित कर रहा हूँ। आप अपने पठन–पाठन के इस क्रम को निरन्तर जारी रखें।"*** रामवती के इस प्रयास से राज्यपाल श्री कल्याण सिंह बेहद प्रसन्न हुए हैं। राज्यपाल श्री सिंह ने पत्र के साथ इक्यावन हजार रूपये की प्रोत्साहन राशि भी श्रीमती रामवती को राजस्थान के राजभवन से भेजी है।

———

डा. लोकेश चन्द्र शर्मा
जनसम्पर्क अधिकारी, राज्यपाल
98292–71189